



संपादकीय

लोकतंत्र में संवाद की शालीनता अपरिहार्य

आम चुनाव की घोषणा के साथ आदर्श चुनाव आचार सहित लागू हो गई है। सामान्य संवाद की भाषा बदल गई है। शब्द आक्रमक हो गए हैं। संवाद की शालीनता समाप्त हो रही है। कायदे से दलांत्र को लोकतंत्र की मजबूती के लिए काम करना चाहिए। संवाद की भाषा परस्पर प्रेमपूर्ण होनी चाहिए। दल परस्पर शरु नहीं है। वे लोकतंत्रिक व्यवस्था के अमरजनों तक ले जाएं और मजबूत करें के उपकरण हैं। लोकतंत्र अपशंका और दलों के मध्य बहस नहीं है। प्रधानमंत्री तक को अपशंक कहे गए हैं। भारत के अम चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र उत्पन्न है। लोकतंत्र अपशंकों के प्रयोग वातावरण को उत्तम कर रहे हैं। आचार सहित में निर्देश दिए गए हैं कि सभी दल और उम्मीदवार जाति, सम्प्रदाय, पंथिक समूह या भाषाई समूहों के मध्य अलगावाद बढ़ाने से दूर रहें। परस्पर विद्विष और तात्पर बढ़ाने वाले शब्दों का प्रयोग नहीं करें। सहित में राजनीतिक दलों की नीतिगती की अलोचना नहीं करें। आदर्श चुनाव आचार सहित में इसी तरह के तमाम संबंधों की अपेक्षा की गई है। इस सब के बाजूद व्यक्तिगत आरोपों के माध्यम से वातावरण को बिछाने का काम हो रहा है। शब्द की शक्ति बहुत बड़ी है। शतपथ ब्राह्मण के ऋषि ने वाणी को विश्राट कहा है। बाईंडल में घोषणा है कि सबसे पहले शब्द था—‘इत वाज लोगोंसे फस्ट’। महर्षि व्यास ने शब्द को ब्रह्म कहा है। शब्दों के सदुभाव से दुनिया की गतिविधि चलती रही है। परंजलि ने ‘महाराजा’ में ध्यान देता है कि एक ही शब्द प्रदूषण के अनुसार प्रोग्राम भिन्न-भिन्न अर्थ देता है। किंवदं दुर्लाल ने भी कहा है कि, ‘शब्द की मार बड़ी है।’ शब्द साधारण स्तुतियों, काव्य और गीतों में प्रकट होती है। शब्द संयम अपरिहार्य है। ऐतरेय उपनिषद के शास्त्री पाठ में प्रार्थना है, “हे परमात्मा मेरी वाणी मन में स्थित हो और मन वाणी में स्थित हो जाए। मेरे मन और वाणी साथ साथ काम कर। मेरे संकल्प और वचन विशुद्ध होकर एक रहे। मेरा सुना हुआ और अनुभव में आया हुआ ज्ञान मेरा त्याग न करे। मेरा ज्ञान मुझे सदा स्मरण रह।” मन को अनुशासन जरूरी है। अनुशासन तन में सुन्दर शब्द और अर्थ निकलते हैं। मन और वाणी का सामना में हमारा मार्गदर्शन कर। ऋषि संकल्प करते हैं, “मैं अपनी वाणी से सदा ऐसे ही शब्दों का उच्चारण करूंगा, जो दोषहित हो। मैं सत्त्व बोल्यां-सत्यं बद्धियामि। मेरी रक्षा करो। वक्ता की रक्षा करो। भारतीय पंपरा में शब्द अनुशासन पर अतिरिक्त जोर दिया गया है।” सृष्टि के जम और विकास के अनेक सिद्धांत हैं। चार्चां दरिवान का सिद्धांत विकासवादी कहा जाता है। टर्टनिं हासिंग जैसे ब्राह्मण विज्ञानी सुषि के उत्तर पर काम करते हैं। आधुनिक ब्राह्मण विज्ञानीयों का कथन है कि एक समय सुषि का सारा पदार्थ और ऊर्जा एक छोटे से खिंडे पर था। इसे ब्रह्म अण्ड भी कहा जाता है। अत्यधिक दबाव के कारण ब्रह्म अण्ड फूटा। उसके कारण गतिशील हुए और इस तरह सुषि का विकास आगे चल पड़ा। वैज्ञानिक कार्ल सागन ने इसे कार्सिक एग ‘ब्रह्म अण्ड’ कहा है। ऋषियों में इसे हिरण्यगर्भ कहा गया है। हिरण्य का अर्थ स्वर्ण या काई अति चमकीली धूत है।



“इस पानी की गुणवत्ता भी संदिग्ध रहती है। प्रदूषण दूर करने के लिए सरकार अपने स्तर पर कुछ-कुछ करती है। प्रदूषण के द्वारा नहीं बनने के पीछे मुख्य कारण यह है कि आमजन अभी तक प्रदूषण के द्वारा नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी नहीं हैं। चीन के बाद दूसरा स्थान भारत का है जहां प्रदूषण एक बहुत बड़ी समस्या है। लगातार वैज्ञानिक वायु प्रदूषण के घातक प्रभाव होते समस्या रखे रहे हैं, परन्तु किसी को बढ़े होने के लिए उत्तराधिकारी नहीं हैं? परन्तु जो असर मुद्दे हैं उनमें सांसारिक विकास के लिए उत्तराधिकारी नहीं हैं? इससे भी बड़ा सावल यह है कि क्या बिंगड़े हुए हालात के लिए कहीं हम खुद ही तो जिम्मेदार नहीं हैं? सबसे दुखदायी अंकड़ा ये है कि भारत की 96 फीसदी आवादी की सांसों में प्रदूषित हवा प्रवाहित हो रही है। प्रधानमंत्री बनने के बाद ही अपनी धनी में दूसरे पड़े हैं। अंकड़े बताते हैं कि हम पूरे साल वायु प्रदूषण की चेपेट में जीवन जीते हैं। बरसात के वक्त जरूर हमें इससे कुछ राहत मिल जाती है, लेकिन शेष समय इसके द्वारा रहना ही पड़ता है। इस प्रदूषण के लिए बड़ा कारण कारखानों और वाहनों से निकलता थुआं है। प्रदूषण पर नियन्त्रण करने देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। अभी वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालयों के जीवन नहीं बन गया है। वैश्वक अनुसंधान और स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित प्रयोगों के बिना उपलब्ध कराई गई है। वही कारण है कि केवल उत्तराधिकारी नहीं बनने के लिए उत्तराधिकारी के बाद वैश्वक स्तर पर भारत के शहरों के जो आंकड़े आए हैं, बेहद शर्मनाक हैं। पौलिथीन का इसोमाल, काला धुआं उगलते वाहन एवं फैक्ट्रीयां, कचरों का ढेर, बदबूदार नालियां, इनसे जीवन बन गया है। न्यायालय

न्यूज पलैश

लोकसभा आम चुनाव के दौरान संतुलित व निष्पक्ष रिपोर्टिंग करें
मीडियाकर्मी: डॉ मनोज कुमार

सार्वीपत: जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ मनोज कुमार ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर आदर्श आगर चुनाव के दौरान प्रसारण मानक प्राप्तिकरण द्वारा तय नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही संपादन और विज्ञापन को प्रकाशित एवं प्रसारण करने चाहिए। उन्होंने कहा कि आगरा सहित के दौरान मीडिया को समाचार प्रसारण मानक प्राप्तिकरण द्वारा तय नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही संपादन और विज्ञापन को प्रकाशित एवं प्रसारण करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि आगरा सहित के दौरान मीडिया को साप्रदायिक, गैर-कानूनी, जाति और राष्ट्र विरोधी समाचारों के प्रसारण से बचाना चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आदर्श आगर चुनाव होने के बाद किसी भी उम्मीदवार का प्रदेशाध्यक्ष और उपके बाद सबनारी लाल, राज्यसभा सदस्य डीपी वत्स, पूर्व विरोधाध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य बनाये, तारीख नहीं बताएं। इलेक्शनिक मीडिया में छापाने के प्रसारण के लिए दी जाएगी तो मीडिया संस्थानों को यह चेक करना अनिवार्य होगा कि उसे एमसीएमसी द्वारा सर्टिफिकेट जारी किया गया हो। उन्होंने कहा कि लोकसभा आम चुनाव के दौरान मीडियाकर्मी द्वारा संतुलित और निष्पक्ष रिपोर्टिंग की जानी चाहिए ताकि नगरियों तक सही और सची खबर पहुंचे। जिससे वे किसी प्रकार के बहावों के लिए लोकसभा आम चुनाव के दौरान इस बार बीमारों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

समालखा गोल्डन पार्क योग समिति की एक बैठक का आयोजन किया गया

समालखा (कुलदीप सिंह) समालखा गोल्डन पार्क योग समिति की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सर्वसमिति से नगर पालिका के अध्यक्ष अमोक कुमार कुरुक्षुल को सर्वसमिति से गोल्डन पार्क का संरक्षक चुना गया इस अवसर पर प्रधान संदीप कुमार और उप प्रधान राकेश सीनी ने पाली और माला पहलकर उनका सम्मान किया।

बेटी कृष्णा देवी तारों देवी ने नेत्रदान करवाया

समालखा (कुलदीप सिंह) संतारों माता मादी के नन्हीके समालखा अमोक कुरुक्षुल को सर्वसमिति से गोल्डन पार्क का संरक्षक चुना गया इस अवसर पर प्रधान संदीप कुमार और उप प्रधान राकेश सीनी ने पाली और माला पहलकर उनका सम्मान किया।

देश के दिल में बसी धून, नमक हो तो टाटा का, टाटा नमक

फिरोजाबाद। भारत के आयोडीन युक्त नमक के अग्रणी ब्रांड, टाटा साल्ट ने अपनी मशहूर जिगल 'नमक हो टाटा का, टाटा नमक' के साथ एक अनुरागी नमक पर शुरू किया। एवं अधिकारी देश का नमक के रूप में ब्रांड की सर्वसाकारा का प्रदर्शन करता है, और नये और युवा भारत की नद्द पर भी हाथ रखता है। 'नमक हो टाटा का, टाटा नमक' जिगल का नया रुप अपभोक्ताओं को आश्वासित और उत्थ करेगा; यह देश भर में अपनी खासी उपरिक्षित की प्रतीक्षित देश का नमक हो टाटा का, टाटा नमक' को एवं परिषेकी में पेश करता है। जिसमें उपभोक्ता के दैनिक जीवन से जुड़े लोगों में जिगल की उपरिक्षित की प्रतीक्षित करने वाली 11 मनोरंजक लेन्किन स्टीक फिल्में हैं, जो इसे सर्वायापी 'देश का नमक' बनाती है। दीपिका भान, अध्यक्ष, पैकेजेंड फूड्स - इंडिया, टाटा कंजूमर प्रोडक्ट्स ने इस अधिकारी पर अपनी टिप्पणी में कहा, 'टाटा साल्ट भारत के सबसे भरोसेदार और जिम्मेदार ब्रांडों में से एक है। समय के साथ 'देश का नमक' का अपील, उपभोक्ताओं के साथ और मजबूत हुई है।'

महिलाओं को इसांफ दिलाने के लिए श्रीजी वूमेन पावर ग्रुप का हुआ गठन

कमाल हुसैन

पार्नीपत: शहर में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए वह उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए अब शहर की महिलाओं ने मिलकर बीड़ा उठाया है और एक नए ग्रुप की शुरूआत की है।

शुक्रवार को शहर की महिलाएं गोलांगा पहुंची औरत गुलाम के चारा खिलाकर श्रीजी वूमेन पावर ग्रुप की शुरूआत की प्रथम चुनाव के दौरान आदर्श आगर चुनाव के दौरान अपरिवर्त्य एवं रिपोर्टिंग की जाएगी। जिसके लिए शराब की बिक्री पर जिला प्राप्तान की पैमाने द्वारा नजर रखेगी। इस देश के नए परिषेकी में ऐसा करता है। जिसमें उपभोक्ता के दैनिक जीवन से जुड़े लोगों में जिगल की उपरिक्षित की प्रतीक्षित करने वाली 11 मनोरंजक लेन्किन स्टीक फिल्में हैं, जो इसे सर्वायापी 'देश का नमक' बनाती है। दीपिका भान, अध्यक्ष, पैकेजेंड फूड्स - इंडिया, टाटा कंजूमर प्रोडक्ट्स ने इस अधिकारी पर अपनी टिप्पणी में कहा, 'टाटा साल्ट भारत के सबसे भरोसेदार और जिम्मेदार ब्रांडों में से एक है। समय के साथ 'देश का नमक' का अपील, उपभोक्ताओं के साथ और मजबूत हुई है।'

टीम एक्शन इंडिया

सोनीपत: उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ मनोज कुमार ने कहा कि नियमों में 25 मई को होने वाले लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर जिला में अवैध रूप से शराब की बिक्री नहीं होने दी जाएगी, जिसके लिए शराब की बिक्री पर जिला प्राप्तान की पैमाने द्वारा नजर रखेगी। इस देश के नए परिषेकी में ऐसा करता है। जिसमें उपभोक्ता के दैनिक जीवन से जुड़े लोगों में जिगल की उपरिक्षित की प्रतीक्षित करने वाली 11 मनोरंजक लेन्किन स्टीक फिल्में हैं, जो इसे सर्वायापी 'देश का नमक' बनाती है। दीपिका भान, अध्यक्ष, पैकेजेंड फूड्स - इंडिया, टाटा कंजूमर प्रोडक्ट्स ने इस अधिकारी पर अपनी टिप्पणी में कहा, 'टाटा साल्ट भारत के सबसे भरोसेदार और जिम्मेदार ब्रांडों में से एक है। समय के साथ 'देश का नमक' का अपील, उपभोक्ताओं के साथ और मजबूत हुई है।'

महिलाओं को घिरंजीवी भव: कार्ड वितरित किए

कमाल हुसैन

पार्नीपत: जिला परिषद के उप प्रधान एवं दोस्री समाज का नमक के रूप में ब्रांड की सर्वसाकारा का प्रदर्शन करता है, और नये और युवा भारत की नद्द पर भी हाथ रखता है। 'नमक हो टाटा का, टाटा नमक' जिगल का नया रुप अपभोक्ताओं को आश्वासित और उत्थ करेगा; यह देश भर में अपनी खासी उपरिक्षित की प्रतीक्षित देश का नमक हो टाटा का, टाटा नमक' को एवं परिषेकी ने ऐसा करता है। जिसमें उपभोक्ता के दैनिक जीवन से जुड़े लोगों में जिगल की उपरिक्षित की प्रतीक्षित करने वाली 11 मनोरंजक लेन्किन स्टीक फिल्में हैं, जो इसे सर्वायापी 'देश का नमक' बनाती है। दीपिका भान, अध्यक्ष, पैकेजेंड फूड्स - इंडिया, टाटा कंजूमर प्रोडक्ट्स ने इस अधिकारी पर अपनी टिप्पणी में कहा, 'टाटा साल्ट भारत के सबसे भरोसेदार और जिम्मेदार ब्रांडों में से एक है। समय के साथ और मजबूत हुई है।'

परीक्षा परिणाम में अव्वल आने वाले छात्रों को किया सम्मानित

कमाल हुसैन

पार्नीपत: जिला परिषद के उप प्रधान एवं दोस्री समाज का नमक के रूप में ब्रांड की सर्वसाकारा का प्रदर्शन करता है, और नये और युवा भारत की नद्द पर भी हाथ रखता है। 'नमक हो टाटा का, टाटा नमक' जिगल का नया रुप अपभोक्ताओं को आश्वासित और उत्थ करेगा; यह देश भर में अपनी खासी उपरिक्षित की प्रतीक्षित देश का नमक हो टाटा का, टाटा नमक' को एवं परिषेकी ने ऐसा करता है। जिसमें उपभोक्ता के दैनिक जीवन से जुड़े लोगों में जिगल की उपरिक्षित की प्रतीक्षित करने वाली 11 मनोरंजक लेन्किन स्टीक फिल्में हैं, जो इसे सर्वायापी 'देश का नमक' बनाती है। दीपिका भान, अध्यक्ष, पैकेजेंड फूड्स - इंडिया, टाटा कंजूमर प्रोडक्ट्स ने इस अधिकारी पर अपनी टिप्पणी में कहा, 'टाटा साल्ट भारत के सबसे भरोसेदार और जिम्मेदार ब्रांडों में से एक है। समय के साथ 'देश का नमक' का अपील, उपभोक्ताओं के साथ और मजबूत हुई है।'

नशा तस्कर 6 ग्राम 20 मिलीग्राम स्मैक सहित गिरपतार

कमाल हुसैन

पार्नीपत: जिला परिषद के उप प्रधान एवं दोस्री समाज का नमक के रूप में ब्रांड की सर्वसाकारा का प्रदर्शन करता है, और नये और युवा भारत की नद्द पर भी हाथ रखता है। 'नमक हो टाटा का, टाटा नमक' जिगल का नया रुप अपभोक्ताओं को आश्वासित और उत्थ करेगा; यह देश भर में अपनी खासी उपरिक्षित की प्रतीक्षित देश का नमक हो टाटा का, टाटा नमक' को एवं परिषेकी ने ऐसा करता है। जिसमें उपभोक्ता के दैनिक जीवन से जुड़े लोगों में जिगल की उपरिक्षित की प्रतीक्षित करने वाली 11 मनोरंजक लेन्किन स्टीक फिल्में हैं, जो इसे सर्वायापी 'देश का नमक' बनाती है। दीपिका भान, अध्यक्ष, पैकेजेंड फूड्स - इंडिया, टाटा कंजूमर प्रोडक्ट्स ने इस अधिकारी पर अपनी टिप्पणी में कहा, 'टाटा साल्ट भारत के सबसे भरोसेदार और जिम्मेदार ब्रांडों में से एक है। समय के साथ 'देश का नमक' का अपील, उपभोक्ताओं के साथ और मजबूत हुई है।'

परीक्षा परिणाम में अव्वल आने वाले छात्रों को किया सम्मानित

कमाल हुसैन

पार्नीपत: जिला परिषद के उप प्रधान एवं दोस्री समाज का नमक के रूप में ब्रांड की सर्वसाकारा का प्रदर्शन करता है, और नये और युवा भारत की नद्द पर

